30-01-2022

अल्कोहल टेक्नोलॉजी एवं क्वालिटी कण्ट्रोल पाठ्यक्रमों मे सीटें बढ़ायी जाएंगी

कानपुर (नगर छाया समाचार)। आगामी अकादमिक सत्र से राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर मे शुगर इंजीनियरिंग, अल्कोहल टेक्नोलॉजी एवं क्वालिटी कण्ट्रोल पाठ्यक्रमों मे सीटें बढ़ायी जाएंगी। यह निर्णय चीनी उद्योग मे इन पाठ्यक्रमों के छात्रों की बढ़ती मांग के कारण लिया गया। संस्थान के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने बताया कि संस्थान के लगातार प्रयासों से चीनी उद्योग मे सह उत्पादों, खोई का पावर जनरेशन एवं शीरे का इथेनॉल मे बढ़ा है जिसके कारण सम्बंधित तकनिकी मानव शक्ति कि मांग मे वृद्धि हुई है। साथ ही चीनी उद्योग मे फ़ूड सेफ्टी एवं गुड़वत्ता पर चीनी के निर्यात एवं देश के पेय एवं फार्मा सेक्टर की मांग को देखते हुए क्वालिटी कण्ट्रोल केमिस्टों की मांग बढ़ रही है। इसको देखते हुए शुगर इंजीनियरिंग मे सीटें 33 से 40, अल्कोहल टेक्नोलॉजी मे 38 से 50 एवं क्वालिटी कण्ट्रोल पाठ्यक्रम मे 22 से 30 की जाएंगी।

संस्थान के शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग ने बताया की अकादमिक सत्र 2022-23 से लागू करने की इसकी स्वीकृति मंत्रालय से प्राप्त हो गयी है। छात्रों की संख्या को देखते हुए एक नयी छात्र प्रयोगशाला का निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं ये मार्च 2022 तक पूरा हो जायेगा। इस प्रयोगशाला का प्रयोग अल्कोहल टेक्नोलॉजी हेतु किया जायेगा।

संस्थान द्वारा नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त अल्प अविधि के दो पाठ्यक्रम चलना भी प्रस्तावित है जिनमे एक शुगर बिज़नेस मैनेजमेंट एवं दूसरा मूल्य वर्धित गुड़ और गुड़ आधारित बेकरी उत्पाद पर आधारित होगा। संस्थान के निदेशक ने बताया कि गुड़ पर आधारित पाठ्यक्रम के लिए एक इनोवेशन सेंटर फॉर गुड़ एंड खांड़सारी स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है जिसमे इस पाठ्यक्रम के छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जायेगा।

आज

एनएसआई के कई पाठ्यक्रमों में बढ़ेंगी सीटें

शुगर बिजनेस मैनेजमेंट एवं मूल्य वर्धित गुड़ और गुड़ आधारित बेकरी उत्पाद पर आधारित होंगे दो नये पाठ्यक्रम

कानपुर, 30 जनवरी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में आगामी अकादमिक शैक्षिक सत्र में शुगर इंजीनियरिंग, अल्कोहल टेक्नोलाजी एवं क्वालिटी कंट्रोल पाठयक्रमों में सीटे बढ़ायी जाएगी। यह निर्णय चीनी उद्योग में इन पाठ्यक्रमों के छात्रों की बढ़ती मांग को लेकर किया गया है।

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि चीनी उद्योग में सह उत्पादों, खोई से पावर जनरेशन एवं शीरे का इथेनॉल में बढा है जिसके कारण संबंधित तकनीकी मानव शक्ति की मांग में वृद्धि हुई है। साथ ही चीनी उद्योग में फूड सेफ्टी एवं गुणवत्ता पर चीनी के निर्यात एवं देश के पेय एवं फार्मा सेक्टर की मांग को देखते हुए क्वालिटी कंट्रोल केमिस्टो की मांग बढ़ रही है। इसको देखते हुए शुगर इंजीनियरिंग में सीटें 33 से 40, अल्कोहल टेक्नोलाजी में 38 से 50 एवं क्वालिटी कण्ट्रोल पाठ्यक्रम मं 22 से 30 की जाएगी। संस्थान के शिक्षा प्रभारी आलोक गर्ग ने बताया कि अकादमी सत्र 2022-23 से लागू करने की इनकी स्वीकृति मंत्रालय से प्राप्त हो गई है। छात्रों की संख्या को देखते हुए नई प्रयोग शाला का निर्माण प्रगति पर है, जोकि मार्च 2022 तक पूर्ण हो जाएगा। संस्थान द्वारा नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त अल्प अवधि के दो पाठ्यक्रम चलना भी प्रस्तावित है, जिनमें एक शुगर बिजनेस मैनेजमेंट एवं दूसरा मूल्य वर्धित गुड़ और गुड़ आधारित बेकरी उत्पाद पर आधारित होगा। निदेशक ने बताया कि गुड़ पर आधारित पाठ्यक्रम के लिए इनोवेशन सेटर फार गुड़ एवं खांडसारी स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है जिसमें इस पाठ्यक्रम के छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाएगा।

पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी देते निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन।

एनएसआई में अगले सत्र से बढ़ी सीटों पर दाखिला

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चीनी उद्योग में आ रहे सकारात्मक बदलावों से नौकरियों के अवसर बढ़ रहे हैं। खासतौर पर शुगर इंजीनियरिंग, अल्कोहल टेक्नोलॉजी और क्वालिटी कंट्रोल के क्षेत्र में कार्मिकों की मांग बढ़ रही है। इसको देखते हुए नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) ने विभिन्न कोर्सों में सीटें बढ़ा दी हैं। आगामी सत्र से बढ़ी सीटों पर छात्र-छात्राओं को दाखिला दिया जाएगा।

प्रो. नरेंद्र मोहन।

इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि केंद्र सरकार ने सीटें बढ़ाने की अनुमति दे दी है। अकादमिक सत्र 2022-23 से सीटें बढ़ जाएंगी। नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त संस्थान में दो अल्प अवधि के पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। ये पाठ्यक्रम शुगर बिजनेस मैनेजमेंट, मूल्यवर्धित गुड़ और गुड़ आधारित बेकरी उत्पाद पर आधारित हैं। इससे छात्रों को रोजगार मिल सकेगा।

निदेशक ने बताया कि चीनी उद्योग में चीनी के सह उत्पाद बढ़े हैं। साथ ही शीरे से इथेनॉल का काम भी बढ़ा है। इससे तकनीकी स्टाफ की मांग बढ़ी है। शुगर इंजीनियरिंग में 33 से 40 सीटें, अल्कोहल टेक्नोलॉजी में 38 से 50 सीटें, क्वालिटी कंट्रोल पाठ्यक्रम में 22 से 30 सीटें होंगी। सीटों में वृद्धि के मद्देनजर प्रयोगशाला बनाई जा रही है। इसका काम मार्च में पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि गुड़ आधारित पाठ्यक्रम के लिए एक इनोवेशन सेंटर फॉर गुड़ एंड खांडसारी भी बनाया जा रहा है। इससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान मिलेगा।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

पाठ्यक्रमों में बढ़ेंगी सीटें

शुगर बिज़नेस मैनेजमेंट व गुड़ आधारित बेकरी उत्पाद पर अल्प अवधि पाठ्यक्रम मे शुरू किये जायेंगे

संस्थान मे शोध के लिए 'इनोवेशन सेंटर फॉर गुड़ एंड खांडसारी' की स्थापना का कार्य भी प्रगति पर

एनएसआई में पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाने की घोषणा करते निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन व अन्य।

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के आगामी अकादमिक सत्र मे शुगर टेक्नोलॉजी, अल्कोहल टेक्नोलॉजी एवं क्वालिटी कंट्रोल पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ायी जायेंगी। यह निर्णय चीनी व अल्कोहल उद्योग में इन पाठ्यक्रमों में दीक्षित प्रोफेशनलों की मांग बढ़ने के कारण लिया गया है। संस्थान में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त अल्प अवधि के दो पाठ्यक्रम का संचालन भी प्रस्तावित है। अल्प अवधि का यह पाठ्यक्रम "शुगर बिजनेस मैनेजमेंट" व "मूल्यवर्धित गुड़ व गुड़ आधारित बेकरी उत्पाद" पर आधारित होगा।

गुड़ आधारित पाठ्यक्रम के लिए एक "इनोवेशन सेंटर फॉर गुड़ एंड खांडसारी" की स्थापना का कार्य भी प्रगति पर है। इसके माध्यम से संबंधित छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान कराया जायेगा। निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने रविवार को उक्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान के लगातार प्रयासों से चीनी उद्योग में सह उत्पादों, खोई से पावर जनरेशन एवं शीरे का एथनॉल उत्पादन के लिए प्रवेश बढ़ा है। इससे संबंधित उद्योगों में तकनीकी मानव शक्ति के मांग बढ़ी है। चीनी उद्योग में शुद्ध सेफ्टी एवं गुणवत्तापरक चीनी के निर्यात तथा देश के पेय एवं फार्मा सेक्टर की जरूरतों को देखते हुए क्वालिटी कंट्रोल केमिस्टों की मांग भी बढ़ी है। उन्होंने बताया कि शुगर इंजीनियरिंग मे सीटों की संख्या 33 से 40, अल्कोहल टेक्नोलॉजी में 38 से 50 व क्वालिटी कंट्रोल पाठ्यक्रम में 22 से 30 की जायेंगी। संस्थान के शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग के अनुसार अकादमिक सत्र 2022-23 से उक्त सीटें बढ़ाये जाने की स्वीकृति मंत्रालय से प्राप्त हो गई है। छात्रों की संख्या मे बढ़ोत्तरी के दृष्टिगत एक नई प्रयोगशाला का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इस प्रयोगशाला का प्रयोग अल्कोहल टेक्नोलॉजी के लिए किया जायेगा।